



भारत का जीनोमिक डेटा सेट

प्रलिस के लिये:

[जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट](#), [संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण](#), [जैव प्रौद्योगिकी विभाग](#), [बायोटेक-प्राइड दशानरिदेश](#), इंडिजन परियोजना

मेन्स के लिये:

BioE3, भारत का जैव प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार, जैव अर्थव्यवस्था, जीनोम अनुक्रमण

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यों?

भारत ने नई दिल्ली में जीनोम इंडिया डेटा कॉन्क्लेव में [जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट \(GIP\)](#) के तहत **भारतीय जीनोमिक डेटा (IGD) सेट** तथा डेटा प्रोटोकॉल के आदान-प्रदान के लिये फ्रेमवर्क (FeED) और **भारतीय जैविक डेटा केंद्र (IBDC) पोर्टल जैसे ढाँचे के शुभारंभ** के साथ ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

- ये पहल भारत को जीनोमिक्स में अग्रणी बनाने के साथ वैश्विक शोधकर्ताओं की जीनोम नमूनों तक पहुँच बढ़ाने तथा जीनोमिक डेटा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर केंद्रित है।

जीनोम इंडिया डेटा कॉन्क्लेव की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- भारतीय जीनोमिक डेटा सेट:** इसमें एक व्यापक भारतीय जीनोमिक डेटा सेट शुरू किया गया, जिसमें 10,000 संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण (WGS) नमूने शामिल हैं, जिन्हें भारतीय जैविक डेटा केंद्र (IBDC) में संग्रहित किया गया है, जो **जीवन विज्ञान डेटा के लिये भारत का पहला राष्ट्रीय भंडार** है।
 - यह डेटासेट अब विश्व भर के शोधकर्ताओं के लिये उपलब्ध है, जो जीनोमिक्स अनुसंधान एवं वैयक्तिक चिकित्सा में प्रगति को समर्थन प्रदान करता है।
 - IBDC पोर्टल आनुवंशिक डेटा तक निर्बाध पहुँच की सुविधा प्रदान करने पर केंद्रित है।
- FeED प्रोटोकॉल:** FeED, **बायोटेक-PRIDE (डेटा एक्सचेंज के माध्यम से अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देना) दशानरिदेशों** के तहत उच्च गुणवत्ता वाले जीनोमिक डेटा के नैतिक, पारदर्शी तथा सुरक्षित साझाकरण को सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।
- जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट:** **जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT)** के नेतृत्व में [जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट \(GIP\)](#) के महत्त्व पर बल देते हुए, यह पहल भारत की आनुवंशिक विविधता का एक व्यापक डेटाबेस प्रदान करती है।

बायोटेक-PRIDE दशानरिदेश

- DBT द्वारा वर्ष 2021 में जारी "बायोटेक-PRIDE दशानरिदेश" भारत में अनुसंधान समूहों के बीच जैविक डेटा के आदान-प्रदान को सक्षम बनाने पर केंद्रित है।
 - ये ज्ञान साझा करने, बेहतर एकीकरण, नरिणय लेने तथा न्यायसंगत पहुँच सुनिश्चित करने के लिये ढाँचा प्रदान करते हैं।
 - ये साझाकरण को बढ़ावा देने के साथ अनुसंधान में सार्वजनिक निवेश के लाभ को अधिकतम करने पर केंद्रित हैं।
- इन दशानरिदेशों के क्रियान्वयन की ज़िम्मेदारी **हरियाणा के क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (RCB)** स्थित **भारतीय जैविक डेटा केंद्र (IBDC)** की है।
 - बायोटेक-प्राइड दशानरिदेशों के तहत, मौजूदा डेटासेट को IBDC से जोड़ा जाएगा, जिससे **बायो-ग्रडि** का नरिमाण होगा।
 - यह **बायो-ग्रडि जैविक आँकड़ों** के लिये एक राष्ट्रीय भंडार के रूप में कार्य करेगा जिससे सुरक्षा, मानक और गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए इसके आदान-प्रदान को सक्षम किया जा सकेगा तथा स्पष्ट डेटा एक्सेस प्रोटोकॉल स्थापित किया जा सकेगा।

- जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्थापित RCB जैव प्रौद्योगिकी शक्ति, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण पर केंद्रित है।
- इसे वर्ष 2016 में राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान के रूप में मान्यता दी गई है। RCB स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिये नवाचार को बढ़ावा देने के साथ कुशल मानव संसाधन विकसित करने पर केंद्रित है।

जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट क्या है?

- **परिचय:** GIP वर्ष 2020 में DBT द्वारा शुरू की गई एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य भारत की आनुवंशिक विविधता की मैपिंग करना है।
- इसका उद्देश्य भारत के विविध जनसंख्या समूहों के जीनोम को अनुक्रमित एवं विश्लेषित करना है जिससे देश की अद्वितीय आनुवंशिक संरचना के बारे में जानकारी मलि सके।
- **उद्देश्य:** स्वास्थ्य, रोग प्रवृत्त तथा जनसंख्या-वशिष्ट लक्षणों का अध्ययन करने के क्रम में आधारभूत आनुवंशिक मैपिंग तैयार करना।
- **दायरा:** GIP के पहले चरण में 99 जातीय समूहों के 10,000 व्यक्तियों के जीनोम को अनुक्रमित किया जाना शामिल है। दीर्घकालिक योजनाओं का लक्ष्य इसे 1 मिलियन जीनोम तक बढ़ाना है।
- GIP का दूसरा चरण **कैंसर, मधुमेह एवं दुर्लभ बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों** के जीनोम अनुक्रमण पर केंद्रित है।
- इससे रोगग्रस्त जीनोम की स्वस्थ जीनोम से तुलना करके इन स्थितियों से संबंधित जीन की पहचान करने में मदद मिलेगी।
- **भारत के लिये महत्त्व:** 4,600 से अधिक वशिष्ट जनसंख्या समूहों के साथ, भारत की आनुवंशिक विविधता अद्वितीय है।
- इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य भारतीय लोगों से संबंधित वशिष्ट आनुवंशिक कारकों का पता लगाना है, जैसे दुर्लभ रोग एवं MYBPC3 जैसे उत्परिवर्तन (जो शीघ्र हृदयाघात से संबंधित हैं), जो वैश्विक डेटाबेस में नहीं मलिते हैं।

जीनोम अनुक्रमण

- **डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड:** DNA में आनुवंशिक जानकारी संग्रहित रहती है। यह सभी जीवों की वृद्धि, विकास एवं क्रियाप्रणाली का आधार है।
 - DNA, कुंडलित आकार का एक डबल-स्ट्रैंडेड अणु है जिसे **डबल हेलिक्स** के नाम से जाना जाता है।
 - DNA का प्रत्येक स्ट्रैंड **न्यूक्लियोटाइड** से बना होता है, जिसमें एक **फॉस्फेट अणु**, एक डीऑक्सीराइबोज शर्करा तथा एक **नाइट्रोजन युक्त क्षार** शामिल होता है।
- **जीनोम:** जीनोम किसी कोशिका में DNA अनुदेशों का संपूर्ण समुच्चय है। मनुष्यों में, यह **गुणसूत्रों के 23 युग्म से मलिकर बना होता है।**
 - मानव जीनोम की एक प्रत में DNA के लगभग 3 अरब क्षारक युग्म होते हैं, जो इन 23 गुणसूत्रों में वितरित होते हैं।
 - जीनोम में व्यक्त के विकास और कार्यप्रणाली से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी होती है।
- **जीन:** यह आनुवंशिकता की मूल इकाइयाँ हैं जो माता-पिता से संतति में हस्तांतरित होती हैं। ये DNA अनुक्रमों से बने होते हैं और कोशिका केंद्रक के भीतर गुणसूत्रों पर वशिष्ट स्थानों पर व्यवस्थित होते हैं।
- **जीनोम अनुक्रमण:** इसमें डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड (DNA) में न्यूक्लियोटाइड बेस {एडेनि (A), साइटोसिनि (C), गुआनिनि (G), और थाइमिनि (T)} के क्रम का अध्ययन शामिल है।
 - यह प्रक्रम किसी व्यक्त की आनुवंशिक संरचना को समझने में मदद करता है तथा उसके गुणों, स्वास्थ्य जोखिमों और संभावित रोगों के संबंध में जानकारी प्रदान करता है।
 - जीनोम अनुक्रमण किसी वशिष्ट जीन, खंड या जीनोम के छोटे भाग पर केंद्रित हो सकता है।
- **संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण (WGS):** इसमें एक ही बार में किसी जीव के संपूर्ण जीनोम को अनुक्रमित करना शामिल है, जिसमें उसके सभी जीन और गैर-कोडिंग अंश (संपूर्ण DNA अनुक्रम) शामिल हैं।
- **WGS** किसी जीव के आनुवंशिक पदार्थ का पूरण एवं व्यापक प्रतचित्रण उपलब्ध कराता है।

› Difference Between Gene Editing and Gene Sequencing:

Characteristics	Gene Sequencing	Gene Editing
Definition	The process of determining the precise order of nucleotides (A, T, C, G) in a DNA or RNA molecule.	The process of making targeted modifications to the DNA sequence of a gene or genes.
Purpose	To obtain the complete or partial sequence of a gene, a set of genes, or an entire genome.	To introduce desired changes, such as correcting genetic defects, modifying gene expression, or introducing new genetic traits.
Techniques	Sanger sequencing, Next-Generation Sequencing (NGS), and others.	CRISPR-Cas9, zinc finger nucleases, TALENs, and other specialised tools.
Outcome	Provides information about the genetic makeup and composition of an organism.	Allows for the direct manipulation and alteration of the genetic code.
Modification	Does not directly modify the genetic material.	Enables the addition, removal, or alteration of specific DNA sequences.

स्वदेशी जीनोमिक डेटा के प्रमुख लाभ क्या हैं?

- व्यक्तिगत चिकित्सा: भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को वन साइज़ फिट्स ऑल के दृष्टिकोण के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें उपचार के दौरान प्रायः जनसंख्या की आनुवंशिक विविधता को ध्यान में नहीं रखा जाता है।
 - स्वदेशी जीनोमिक डेटा (IGD) भारत की जनसांख्यिकी के लिये अनुकूलित स्वास्थ्य देखभाल समाधान सक्षम करता है, जिससे उपचार की प्रभावशीलता और परिणामों में सुधार होता है।
- जैवअर्थव्यवस्था विकास: IGD से भारत की बढ़ती **जैवअर्थव्यवस्था** को बढ़ावा मल्लिगा, जो 2014 में 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 130 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है।
- अग्रणी देश के रूप में भारत की स्थापना: भारत जैवप्रौद्योगिकी में विश्व स्तर पर 12वें स्थान पर तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तीसरे स्थान पर है।
 - वर्ष 2023 में 8,500 से अधिक बायोटेक स्टार्टअप्स के साथ सबसे अधिक वैक्सीन उत्पादक के रूप में, भारत वैश्विक जैवअर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की ओर अग्रसर है।
 - जीनोमिक नवाचार के केंद्र के रूप में भारत की स्थापना के साथ IGD से वैदेशी डेटाबेस पर निर्भरता कम होती है।
 - नई **अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिये जैव प्रौद्योगिकी (BioE3) नीति** के तहत, यह डेटा भारत को **जैवप्रौद्योगिकी में वैश्विक नेतृत्व के लिये प्रेरित करेगा, जिससे चौथी औद्योगिक क्रांति** में देश की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी।
- उन्नत आनुवंशिक साधन: IGD क्षेत्रीय आनुवंशिक विविधताओं के लिये विशिष्ट जीनोमिक साधनों और नैदानिक परीक्षणों के निर्माण की सुविधा प्रदान करता है, जिससे स्वास्थ्य देखभाल में सटीकता में सुधार होता है।
- कृषि और पर्यावरण अनुसंधान: यह उन आनुवंशिक विविधता के बारे में अंतरदृष्टि प्रदान करता है जिनसे फसल प्रजनन, रोग प्रतिरोध और पर्यावरणीय संधारणीयता में सुधार किया जा सकता है।

जैवप्रौद्योगिकी विकास संबंधी भारत की अन्य पहलें कौन-सी हैं?

- [BioE3 नीति](#)
- [राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी विकास रणनीति 2020-25](#)
- [राष्ट्रीय बायोफार्मा मशिन](#)
- [बायोटेक-किसान योजना](#)
- [अटल जय अनुसंधान बायोटेक मशिन](#)
- [वन हेल्थ कंसोर्टियम](#)
- [बायोटेक पार्क](#)
- [जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद \(BIRAC\)](#)
- इंजिन परियोजना:** वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) द्वारा वर्ष 2019 में शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य भारतीयों की आनुवंशिक संरचना का मानचित्रण करना है ताकि रोग की संवेदनशीलता और औषधि अनुक्रियाओं को बेहतर ढंग से समझा जा सके।

वर्शिव की जीनोमिक परयोजनाएँ

- मानव जीनोम परयोजना, जो कऱ अडेरकी राषुडरीय स्वास्थुय संसुथान दुवारा वतुतऱपोषतऱ एक अंतऱराषुडरीय सहयुग है, के अंतऱरगतवर्शिव का पहला पूरण मानव जीनोम अनुकरड था जो वर्ष 2003 में संपनन हुआ था ।
- यूरोपीय संघ की '1+ मलऱयऱन जीनोम' (1+MG) पहल का उदुदेशुय संपूरण यूरोप में जीनोमिक और नैदानकऱ डेटा की सुरकषतऱ पहुँच परदान करना, रोग की रोकथाम में सुधार के लऱये अनुसंधान, स्वास्थुय नीतऱतऱथा वुयकुतऱगऱत स्वास्थुय देखडाल में सहायतऱ करना है ।
- अरुथ बायोजीनोम प्रुजेकुट (EBP) वैशुवकऱ पहल है, जसऱका उदुदेशुय पृथुवी पर सभी जुजुत यूकरयऱोटकऱ प्रजऱतऱयऱँ के जीनोम को अनुकरडतऱ और सूचीडदुध करना है । इस डहतुतुवऱकांकषी परयोजना को डारत, चीन और अडेरका का सडरुथन प्रऱप्त है ।

?????? ???? ????:

प्रुशुन. डारत की आनुवंशकऱ वऱवऱधऱतऱ और स्वास्थुय देखडाल प्रणऱली के संदरुड में जीनोम इंडऱया प्रुजेकुट (GIP) का कुऱा डहतुतुव है?

UPSC सऱवलऱ सेऱा परीकुषऱ, वऱगऱत वर्ष के प्रुशुन

??????????:

प्रुशुन. डारत में कुषकऱके संदरुड में, प्रऱयऱः सडऱऱरऱँ में आने वऱले 'जीनोम अनुकरडण (जीनोम सीकवुंसगऱ)' की तकनीक का आसनुन डवषऱय में कसऱ प्रकऱर उडडुयुग कऱया जऱ सकतऱ है? (2017)

1. वडऱनऱन डसली डुधुँ में रोग प्रतरऱरुध और सुखऱ सहषऱणुतऱ के लऱये आनुवंशकऱ सूचकुँ का अडऱजुडऱन करने के लऱये जीनोम अनुकरडण का उडडुयुग कऱया जऱ सकतऱ है ।
2. यह तकनीक डसली डुधुँ की नई तकनीकुँ को वकऱसतऱ करने में लऱगने वऱले आऱवशुडक सडडुयुग को घटऱने में डदद करतऱी है ।
3. इसका प्रऱयुग डसलुँ में डुषी-रुगऱणु संडंधुँ को सडऱइने के लऱये कऱया जऱ सकतऱ है ।

नीचे दऱये गऱ कुट का प्रऱयुग कर सही उतुतर चुनऱयऱः

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उतुतरः (d)